विकास योजनाओं के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में सुधार

4895. **चौधरी हरमोहन सिंह :**

श्री ईश दत्त यादव :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "आपरेशन फ्लड (श्वेत क्रांति) आदि जैसी विकास योजनायें दुग्ध उत्पादन में सुधार लाने, उत्पादन लागत में कमी लाने, किसानों और उपभोक्ताओं को अधिक लाभ सुनिश्चित करने तथा बिचौलियों को समाप्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी;

(ख) क्या इन परियोजनाओं की विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर इन उद्देश्यों को पूरा कर लिया गया था;

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ;

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान दुग्ध उत्पादन का राज्य-वार तथा वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ;

(ङ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सहकारी समितियों/सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों, जो "आपरेशन फ्लड" से लाभांवित हुये हैं, द्वारा किसानों को लाभ दिये बगैर दूध और दुग्ध-उत्पादों के मूल्यों में बार-बार वृद्धि की जाती रही है ;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(छ) सरकार ने इस संबंध में क्या-क्या सुधारात्मक उपाय किये हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां ।

(ख) आपरेशन फ्लड, जो एक निरन्तर चलने वाला कार्यक्रम है, चरणों में क्रियान्वित किया जाता है । इसका प्रथम चरण मार्च, 1981 में समाप्त हुआ था । कार्यक्रम जो इस समय अपने तीसरे चरण में है, को मार्च, 1996 में समाप्त किया जाना है । आपरेशन फ्लड के मुख्य उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया गया है ।

(ग) आपरेशन फ्लड–3 के अन्तर्गत लक्ष्य तथा उपलब्धियों को विवरण–I में दिया गया है ।(नीचे देखिये)

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्पादित दूध का राज्यवार तथा वर्ष-वार ब्यौरा विवरण–II पर दिया गया है । (नीचे देखिये)

(ङ) और (च) यह सच नहीं है कि उत्पादकों को लाभांवित किये बिना सहकारी समितियां, दुग्ध तथा दुग्ध उत्पादों के विक्रय मूल्य में वृद्धि कर रही है । आपरेशन फ्लड के अन्तर्गत दूध के उत्पादक तथा उपभोक्ता मूल्य तथा उपभोक्ता मूल्य का अंश और उपभोक्ता को मिलने वाली रुपये की प्रतिशतता को दर्शाने वाली तालिका नीचे दी गई है:—

तरल दुग्ध मूल्य (रुपये/लीटर)

वर्ष	उत्पादक	उपभोक्ता	उपभोक्ता को मिलने वाले रुपये की (प्रतिशत) में उत्पादक मूल्य का अंश
1992–93 . . .	5.96	7.54	79 प्रतिशत
1993–94 . . .	6.17	8.03	77 प्रतिशत
1994–95 . . .	6.82	8.43	81 प्रतिशत

उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि आपरेशन फलड परियोजना के अन्तर्गत तरल दूध के लिये उपभोक्ता मूल्य का मुख्य भाग दुग्ध उत्पादक को जाता है।

(छ) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण–I

आपरेशन फलड कार्यक्रम के तीसरे चरण के लक्ष्य तथा उपलब्धियां

क्रम संख्या	विवरण	लक्ष्य (परियोजना के अन्त में)	उपलब्धियां (1994–95*)
1	मिल्क शेड	170	170
2	संगठित जिला सहकारी समितियां (000)*	70	69.5
3	सदस्यता (लाख)*	67	89.7
4	दुग्ध अधिप्राप्ति** ('000 कि.ग्रा./दिन)	137	101.6
5	ग्रामीण दुग्ध प्रसंस्करण ('000 लीटर/दिन)*	200	171.7
6	तरल दुग्ध विपणन** ('000 लीटर/दिन)	103	93.5

*दिसम्बर, 1994 के अनुसार

**अप्रैल, 1994 से फरवरी, 1995 तक अनन्तिम आंकड़े

विवरण–II

वर्ष 1992–93, 1993–94 तथा 1994–95 के दौरान उत्पादित दूध का राज्य वार तथा वर्षवार ब्यौरा

('000 टन)

क्रम. संख्या	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	1992–93 (अनंतिम)	1993–94 (अनंतिम)	1994–95 प्रत्याशित उपलब्धि
1	2	3	4	5
	राज्य			
1.	आंध्र प्रदेश	3103	3950	4100
2.	अरूणाचल प्रदेश	21	42	45
3.	असम	658	776	820
4.	बिहार	3195	3215	3215
5.	गोवा	30	30	30
6.	गुजरात	3795	3546	3800
7.	हरियाणा	3715	3740	3885
8.	हिमाचल प्रदेश	610	635	655

1	2	3	4	5
9.	जम्मू और कश्मीर	600	630	650
10.	कर्नाटक	2590	2736	3110
11.	केरल	1889	2000	2100
12.	मध्य प्रदेश	4879	4975	5060
13.	महाराष्ट्र	4102	4250	4450
14.	मणिपुर	83	84	115
15.	मेघालय	52	54	55
16.	मिजोरम	9	12	15
17.	नागालैंड	44	45	45
18.	उड़ीसा	542	560	590
19.	पंजाब	5583	5970	6400
20.	राजस्थान	4586	4958	4840
21.	सिक्किम	30	30	35
22.	तमिलनाडु	3468	3524	3965
23.	त्रिपुरा	34	35	40
24.	उत्तर प्रदेश	10649	10991	11400
25.	पश्चिम बंगाल	3023	3095	3095
	राज्यों का योग :	57290	59883	63155
संघ राज्य क्षेत्र				
26.	अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह	24	25	25
27.	चंडीगढ़	37	38	40
28.	दादरा व नगर हवेली	10	4	4
29.	दमण और दीव	1	1	1
30.	दिल्ली	235	260	270
31.	लक्षद्वीप	1	1	1
32.	पांडिचेरी	27	28	29
	संघ राज्य क्षेत्र का योग :	335	357	370
	सकल योग :	57625	60240	63525

स्रोत : राज्य पशुपालन एवं डेयरी विभाग ।